ये अव्यक्त इशारे

इस अव्यक्ति मास में बन्धनमुक्त रह जीवनमुक्त स्थिति का अनुभव करो

16-01-2026

सदा जीवन-मुक्त रहने का सहज साधन है–'मैं' और 'मेरा बाबा' ! क्योंकि मेरे-मेरे का ही बंधन है। मेरा बाबा हो गया तो सब मेरा खत्म। जब 'एक मेरा' में 'सब मेरा-मेरा' समाप्त हो गया, तो बंधन-मुक्त हो गये। तो यही याद रखना कि हम ब्राह्मण जीवन-मुक्त आत्मा हैं।

In this avyakt month, stay free from bondage and experience the stage of liberation in life

The easy way to remain constantly liberated-in-life is: "I and my Baba!" It is the consciousness of "mine" that creates a bondage. If everything is "My Baba", everything else then finishes. When the consciousness of "mine" for everything else finishes and becomes one, you then become free from bondage. Remember that you are a Brahmin soul who is liberated-in-life.